

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. किन्हीं दो का उत्तर दें :
अ. निम्नलिखित जन्मांग में बृहस्पति का प्रस्तारक और भिन्नाष्टक वर्ग बनाए:
जन्मतिथि: 9-8-1945, 11.49 सुबह, दिल्ली
लग्न $6S.28^{\circ}.14'$, सूर्य $3S.23^{\circ}.11'$, चन्द्रमा $4S.7^{\circ}.55'$, मंगल $1S.18^{\circ}.17'$,
बुध $4S.11^{\circ}.25'$, बृहस्पति $5S.3^{\circ}.47'$, शुक्र $2S.12^{\circ}.19'$, शनि $2S.25^{\circ}.30'$,
राहु $2S.15^{\circ}.36'$,
ब) त्रिकोण शोधन समझाइये।
स) ऊपर दिए हुए जन्मांग के अनुसार शनि का प्रस्तारक और भिन्नाष्टक वर्ग बनाए।
2. किन्हीं दो का उत्तर दें :
अ. जब ग्रह किसी राशि गोचर करता है तो फलादेश के लिए कक्षा के किन नियमों का प्रयोग किया जाता है।
आ. सर्वोष्टक वर्ग को ध्यान में रखते हुए बताए कि आप कैसे शनि की सादे सती का विषलेक्षण करेंगे?
इ. सर्वतोभद्रचक्र क्या है?
3. प्रश्न संख्या 1 में शनि का त्रिकोण एवं एकाधिपत्य शोधन की गणना करें।
4. बृहस्पति अष्टकवर्ग से आप किस प्रकार सत्तति के बारे में फलादेश करेंगे?
5. कारण समझाते हुए बताए कि निम्नलिखित वाक्य सही है अथवा गलत :
i) यदि सूर्य को 30-35 बिन्दु प्राप्त है व केन्द्र अथवा त्रिकोण में स्थित है, तो जातक के पिता को धन की प्राप्ति होगी।
ii) शोधन के उपरान्त, यदि तुला में स्थित शुक्र का एक बिंदु हो तो, शुक्र जब तुला राशि में गोचर करेगा तब जातक को कठिनाइयाँ सहनी पड़ सकती है।
iii) बृहस्पति के भिन्नाष्टक वर्ग में सिंह राशि में शनि स्थित है व वहां शोधन के पश्चात् शून्य बिन्दु हो तो जातक भाग्यवान होगा।
iv) एकाधिपत्य शोधन में यदि दानों राशियाँ रिक्त हैं व संख्या असमान है तो दोनों संख्याएँ हटा दी जाती हैं।
v) मंगल के भिन्नाष्टक वर्ग में, यदि मंगल (बिंदु 1) और शनि (बिंदु 3) एक दूसरे से षडाष्टक में हों, यह स्थिति दर्शाती है कि भाइयों से बिछुड़ना होगा।

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. प्रश्नकर्ता ने हैदराबाद में ज्योतिषी से दिनांक 22.08.2012 को दोपहर 12.50 बजे पूछा -
i) महिला (प्रश्नकर्ता) एक मकान लेना चाहती है अतः क्या वो कार्तिक मास से पहले मकान खरीद पाएंगी अथवा नहीं? नीचे दी गई प्रश्नकुण्डली के आधार पर कारण बताते हुए उत्तर दीजिए :

लग्न-वृश्चिक $10^{\circ}29'$, सूर्य-सिंह $5^{\circ}34'$, चन्द्रमा-तुला $5^{\circ}37'$,
 मंगल-तुला $5^{\circ}06'$, बुधा-कर्क $18^{\circ}31'$, बृहस्पति-वृष $19^{\circ}26'$,
 शुक्र-मिथुन $19^{\circ}59'$, शनि-तुला $1^{\circ}20'$, राहु-वृश्चिक $6^{\circ}32'$

अ) प्रश्न कुण्डली की क्या सीमाएं हैं ?

इ) प्रश्न कुण्डली में चन्द्रमा का क्या योगदान है? कुण्डली (अ) में चन्द्रमा क्या दर्शाता है?

7. निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाने पर, ज्योतिष के रूप में आपको किन-किन नियमों, योगों भावों और ग्रहों का ध्यान रखना चाहिए?

(क) मैं कब आर्थिक समस्याओं से निकल पाऊँगा?

(ख) मैंने अपने मित्र को उधार दिया था और वो भी बिना किसी कागजी कार्यवाही के। अतः क्या मुझे से धन वापिस मिल जाएगा?

(ग) विवाह कब तक हो जाएगा?

8. निम्नलिखित योगों को उदाहरण द्वारा समझाए :

(अ) पूर्ण इत्थशाल योग (आ) इन्दूवर योग

(इ) रद् योग (ई) इशाराफ योग

9. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :

(क) जन्म कुण्डली और प्रश्न कुण्डली में क्या संबंध होता है?

(ख) प्रश्न शास्त्र में शकुन की क्या भूमिका होती है?

(ग) प्रश्न शास्त्र में प्रश्नकर्ता के लिए क्या नियम कहे गए हैं?

10. प्रश्न पूछने की तारीख है 18.10.2012, समय रात्रि 08:45 बजे, बेंगलूर में ग्रह स्थिति इस प्रकार है -

लग्न-वृष $16^{\circ}45'$, सूर्य-तुला $1^{\circ}36'$, चन्द्रमा-वृश्चिक $15^{\circ}05'$,

मंगल-वृश्चिक $14^{\circ}11'$, बुध-तुला $24^{\circ}16'$, बृहस्पति (व)-वृष 22°

शुक्र-सिंह $24^{\circ}03'$, शनि-तुला $7^{\circ}29'$, राहु-वृश्चिक $3^{\circ}29'$

(क) क्या प्रश्नकर्ता का अपनी पत्नी से विवाह-विच्छेद होगा अथवा नहीं?

(ख) क्या उसका दूसरा विवाह होगा? अगर हाँ तो कब?